

चित्तौड़ पुं. (तत्.) दे. चित्तौर।

चित्तौर पुं. (तत्.) एक इतिहास प्रसिद्ध प्राचीन नगर जो उदयपुर (राजस्थान) के महाराजाओं की राजधानी थी।

चित्य वि. (तत्.) 1. चुनने या एकत्र करने योग्य 2. चिता संबंधी।

चित्या स्त्री. (तत्.) 1. एकत्र करना, चुनने का कार्य 2. चिता।

चित्र पुं. (तत्.) 1. चंदन आदि से माथे पर लगाया हुआ तिलक 2. अनेक वस्तुओं की विविध रंगों के मेल से बनी हुई आकृति, किसी वस्तु या स्वरूप या आकार जो कागज, कपड़े, पत्थर, लकड़ी, शीशे आदि पर तूलिका से अथवा कलम, कूची तथा रंगों आदि के द्वारा बनाया गया हो, तस्वीर मुहा.- चित्र उतारना- चित्र बनाना, वर्णन आदि के द्वारा हूबहू दृश्य सामने उपस्थित कर देना 3. काव्य के तीन अंगों में से एक जिसमें व्यंग्य की प्रधानता नहीं रहती, अलंकार 4. आकाश 5. एक प्रकार का कोढ़ जिसमें शरीर में सफेद दाग अथवा चित्तियाँ पड़ जाती हैं 6. एक यम का नाम 7. चित्रगुप्त 8. रेंड का पेड़ 9. अशोक का पेड़ 10. चीते का पेड़ 11. धृतराष्ट्र के सौ बेटों में से एक 12. अद्भुत, विचित्र, आश्चर्यजनक 2. रंग-बिरंगा विविध प्रकार का 3. चितकबरा।

चित्रकंठ पुं. (तत्.) कबूतर, कपोत।

चित्रकंदक पुं. (तत्.) जिमीकंद।

चित्रकंबल पुं. (तत्.) 1. कालीन 2. हाथी की झूल जिस पर चित्र बने रहते हैं।

चित्रकर्म पुं. (तत्.) 1. चित्र बनाना, चित्रकारी 2. चित्रकार 3. विचित्र कार्य करना 4. आलेखन 5. इंद्रजाल।

चित्रकला स्त्री. (तत्.) चित्र बनाने की विद्या, तस्वीर बनाने का हुनर।

चित्रकार वि. (तत्.) 1. चित्र बनाने वाला 2. चितेरा।

चित्रकारी स्त्री. (तत्.) चित्र विद्या, चित्र बनाने की कला 2. चित्रकार का काम 3. चित्र बनाने का व्यवसाय।

चित्रकाव्य पुं. (तत्.) एक प्रकार का काव्य जिसमें अक्षरों को विशेष क्रम से लिखने से कोई विशेष चित्र बन जाता है, ऐसा काव्य अधम माना जाता है।

चित्रकुष्ठ पुं. (तत्.) श्वेत कुष्ठ, सफेद कोढ़।

चित्रकूट पुं. (तत्.) एक प्रसिद्ध रमणीक पर्वत जहाँ वनवास के समय राम, सीता और लक्ष्मण बहुत दिनों तक रहे थे।

चित्रकेतु पुं. (तत्.) 1. वह जिसके पास चित्रित पताका हो 2. श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार लक्ष्मण के पुत्र का नाम 3. गरुड़ के पुत्र का नाम 4. वशिष्ठ के पुत्र का नाम 5. वंसा के गर्भ से उत्पन्न देवभाग यादव का एक पुत्र 6. भागवत में वर्णित शूरसेन देश का एक राजा जिसे पुत्रशोक से संतप्त देख नारद ने मंत्रोपदेश किया था।

चित्रगुप्त पुं. (तत्.) 1. चौदह यमराजों में से एक जो प्राणियों के पाप और पुण्य का लेखा रखते हैं।

चित्रण पुं. (तत्.) 1. चित्रमय वर्णन, शब्दों द्वारा ऐसा वर्णन करना जिससे वर्ण्य विषय का मानसिक चित्र उपस्थित हो जाए, संश्लिष्ट रूप योजना।

चित्रताल पुं. (तत्.) संगीत में एक प्रकार की चौताला ताल जिसमें दो द्रुत, एक प्लुत और फिर एक द्रुत होता है।

चित्रधर्मा पुं. (तत्.) महाभारत में उल्लिखित एक राक्षस (दैत्य) का नाम।

चित्रधाम पुं. (तत्.) यज्ञ आदि में पृथ्वी पर बनाया हुआ एक चौखूँटा चक्र जो चार खाने की तरह होता था और जिसके खानों को भिन्न-भिन्न रंगों से भरा जाता था, सर्वतोभद्रमंडल।

चित्रपत्र पुं. (तत्.) वह कपड़ा, कागज या पटरी जिस पर चित्र बनाया या उकेरा जाए अथवा बना हुआ हो, चित्राधार 2. वह वस्त्र जिस पर चित्र बने हो, छींट 3. चित्र, तस्वीर 4. सिनेमा।

चित्रपदा पुं. (तत्.) 1. मैना पक्षी, सारिका 2. लजालू नाम की लता, छुईमुई 3. एक प्रकार का